B.S.W. (CBCS Pattern) Semester-VI

6BSW09 - Counselling - Theory and Practice Part-II

P. Pages : 3 **GUG/S/25/13413**

Time : Two Hours Max. Marks : 40

Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.

1. Explain in detail the Cognitive counselling theory and its features. **8**

OR

Explain in detail the psychoanalytic counselling and its importance in counselling.

2. Explain in detail about Rational emotive therapy and its features. **8**

OR

Importance of Yoga, Pranayam, self reflection and prayashchit in mental health management.

3. Write short note on. **8**

1) Professional issue of counselor and counselling.

2) Prevention of burnout

OR

3) Advantages of group counselling.

4) Advantages of Yoga and Pranayam in mental health.

4. Write short note on. **8**

1) Disadvantages of group counselling.

2) Importance of observation and responding in counselling.

OR

3) Rating and interpretation in counselling.

4) Rapport building in counselling.

5. Write very short notes on. **8**

1) Who is the pioneer of person centred counselling?

2) Who is the pioneer of Rational emotive therapy?

3) What is meant by transactional analysis?

4) What is meant by self renewal?

****

B.S.W. (CBCS Pattern) Semester-VI

6BSW09 - Counselling - Theory and Practice Part-II

Time : Two Hours | Max. Marks : 40

सुचना :- 1. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.
2. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.

1. संज्ञानात्मक समुपदेशन सिध्दांत व त्याची वैशिष्ट्ये सविस्तर सांगा. **8**

किंवा

मानसशास्त्रीय समुपदेशन व समुपदेशनातील त्याचे महत्व सविस्तर समजावून सांगा.

2. युक्तिवादात्मक भावनिक थेरपी व त्याची वैशिष्ट्ये सविस्तर समजावून सांगा. **8**

किंवा

मानसिक आरोग्य व्यवस्थापनामध्ये योग, प्राणायाम, आत्मचिंतन व प्रायश्चित यांचे महत्व स्पष्ट करा.

3. संक्षिप्त उत्तरे लिहा. **8**

1) समुपदेशक व समुपदेशनाशी संबंधित व्यावसायिक समस्या
2) बर्नआऊट टाळण्यासाठी उपाय

किंवा

3) गट समुपदेशनाचे फायदे
4) मानसिक आरोग्यासाठी योग व प्राणायामाचे फायदे

4. संक्षिप्त उत्तरे लिहा. **8**

1) गट समुपदेशनाचे तोटे
2) समुपदेशनामध्ये निरीक्षण व प्रतिसादाचे महत्व

किंवा

3) समुपदेशनामधील रेटिंग व विश्लेषण
4) समुपदेशनामध्ये रॅपोर्ट (विश्वासपूर्ण संबंध) तयार करणे

5. अति संक्षिप्त उत्तरे लिहा. **8**

1) व्यक्ती-केंद्रित समुपदेशनाचे प्रणेते कोण?

2) युक्तिवादात्मक भावनिक थेरपीचे प्रणेते कोण?

3) व्यवहार विश्लेषण म्हणजे काय?

4) आत्मपुनर्निर्माण म्हणजे काय?

****

B.S.W. (CBCS Pattern) Semester-VI

6BSW09 - Counselling - Theory and Practice Part-II

Time : Two Hours | Max. Marks : 40

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्नों को हल करना आवश्यक है।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. संज्ञानात्मक परामर्श सिध्दांत और इसकी विशेषताएं। **8**

अथवा

मनोविश्लेषणात्मक परामर्श को विस्तार से समझाइए और परामर्श में इसका महत्व।

2. रेशनल इमोटिव थेरेपी (Rational Emotive Therapy) और इसकी विशेषताओं के बारे में विस्तार से समझाइए। **8**

अथवा

मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन में योग, प्राणायाम, आत्म-चिंतन और प्रायश्चित का महत्व।

3. संक्षेप में उत्तर लिखिए। **8**

1) परामर्शदाता और परामर्श की पेशेवर समस्याएं।
2) बर्नआउट की रोकथाम।

अथवा

3) समूह परामर्श के लाभ।
4) मानसिक स्वास्थ्य में योग और प्राणायाम के लाभ।

4. संक्षेप में उत्तर लिखिए। **8**

1) समूह परामर्श की सीमाएं / हानियां।
2) परामर्श में निरीक्षण और प्रतिक्रिया की महत्ता।

अथवा

3) परामर्श में रेटिंग और विश्लेषण
4) परामर्श में रैपोर्ट बनाना (संबंध स्थापित करना)

5. अति संक्षेप में उत्तर लिखिए। **8**

1) पर्सन सेंटर्ड काउंसलिंग (Person-Centered Counselling) के जनक कौन है?

2) रेशनल इमोटिव थेरेपी (Rational Emotive Therapy) के जनक कौन है?

3) लेन-देन विश्लेषण (Transactional Analysis) का क्या अर्थ है?

4) आत्म-पुनरूत्थान (Self Renewal) का क्या अर्थ है?

****